ज्ञानोदय प्रभा

अंक जनवरी २०२३

गणतंत्र दिवस विशेषांक
संपादकीय

"कर चले हम फिदा जान तन साथियों
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों"

-कैफी आज़मी

गीतकार कैफी आज़मी की ये पंक्तियाँ कितनी सारगर्भित एवं समीचीन हैं| ये पंक्तियाँ शहीदों के त्याग और बलिदान को दर्शाते हुए हमारे कर्तव्य का निर्धारण भी करती हैं| भारत दो सौ वर्ष से अधिक गुलामी को सह चुका था| अंग्रेजों के जुल्म देशवासियों पर बढ़ते जा रहे थे| भारत माँ गुलामी की जंजीरों में जकड़ी हुई कराह रही थी| ऐसी परिस्थिति में भारत माँ के सपूतों से भारत माँ की दुर्दशा देखी न गयी| उन्होंने सर पर कफन सजाया, इसे आज़ाद कराने की शपथ ली और हाथ में तिरंगा लेकर चल पड़े| महात्मा गांधी, चंद्रशेखर आज़ाद, भगत सिंह, राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक़उल्ला खान, वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई सहित अनेक वीरों के नेतृत्त्व में देश का हर वीर सपूत भारत माँ को आज़ाद कराने की शपथ लेकर घर से निकल पड़ा| यह राह आसान नहीं थी| हम शक्तिशाली शासन से टकरा रहे थे| परंतु हमने हार नहीं मानी और भारत को स्वतंत्र कराकर ही दम लिया| इस स्वतन्त्रता संघर्ष में अनेक माताओं की गोद सूनी हो गई| अनेक सुहागिनों की मांग का सिंदूर उजड़ गया| अनेक बहनों की वह कलाई छिन गई, जिसपर वह राखी बाँधती थीं| किसी ने अपने या अपने घर के बारे में नहीं सोचा कि उनका क्या होगा ? बस एक ही लक्ष्य था – 'भारत माँ को आज़ाद कराना'| भारत को स्वतंत्र कराने के लिए अनेक आंदोलन हुए| अनेक वीरों ने अपनी जान की कुर्वानी दी| हँसते-हँसते फांसी के झूलों पर झूल गए| सबने अपने अपने तरीके से स्वतन्त्रता संग्राम के इस महान यज्ञ में अपनी आहुति दी, तब जाकर यह खुशियों भरा दिन आया| आज हम स्वतंत्र हैं, पर हमारी जिम्मेदारी और बढ़ गयी है| इस स्वतन्त्रता को बरकरार रखने के लिए हमें प्रयास करने होंगे| हमें स्वार्थपरता की भावना से ऊपर उठकर, देश की एकता और अखंडता के लिए कार्य करने होंगे| अपने कर्तव्यों का सही ढंग से निर्वहन कर विश्व में भारत का नाम रोशन करने के लिए समुचित कदम उठाने होंगे, तभी गणतन्त्र दिवस मनाना सार्थक होगा| आइए हम शहीदों को याद करें और यह शपथ लें कि उनका बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा|

शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले
वतन पर मरने वालों का यही बाकी निशां होगा

- जगदंबिका प्रसाद 'हितैषी'

जय हिन्द, वंदे मातरम |

उपलब्धियाँ

विधान सभा क्षेत्र खुरई ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा लिखित पुस्तक "परीक्षा योद्धा" पर एक कला और चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया। सबसे पहले हमारे स्कूल में इसकी व्यवस्था की गई, जिसमें लगभग **१००** विद्यार्थियों ने भाग लिया। इनमें से **१०** छात्रों का चयन किया गया है। वे थे रियांशी केसरवानी कक्षा **११,** आयुषी जैन कक्षा **११,** धरंशी जैन कक्षा **११,** मयंक दांगी कक्षा **११,** स्मृति ठाकुर कक्षा **१०,** रक्षा श्रीवास्तव कक्षा **१०,** सेफाली जैन कक्षा **१०,** ओम गौर कक्षा **९,** निकिता रॉय कक्षा **९,** उदित नारायण ठाकुर कक्षा **९**। फाइनल राउंड **२०** जनवरी **२३** को पंडित केसी शर्मा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खुरई में आयोजित हुआ। इस प्रतियोगिता में कुल मिलाकर **९०००** छात्रों ने भाग लिया और **६१** छात्रों ने स्थान प्राप्त किया। ज्ञानोदय हायर सेकेंडरी स्कूल के **४** छात्र/छात्राओं ने भी विभिन्न स्थान प्राप्त किए।

१. निकिता रॉय **३१००** नगद राशि के साथ दूसरे स्थान पर रहे| **२.** उदित नारायण **११००** नगद राशि के साथ **७**वें स्थान पर रहे| **३.** आयुशी जैन **११००** नगद राशि के साथ **८**वें स्थान पर रहे| **४.** स्मृति ठाकुर **११००** नगद राशि के साथ **९**वें स्थान पर रहे|

२७ जनवरी **२०२३** को पुरस्कार वितरण समारोह में मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह जी ने पुरस्कार वितरण किया|

ज्ञानोदय विद्यालय के विद्यार्थियों ने जीते स्वर्ण पदक

ज्ञानोदय विद्यालय के छात्रों ने अक्टूबर महीने में दो राष्ट्रीय स्तर की कला प्रतियोगिता में भाग लिया था।

प्रथम - कलाभारती बाल कला विकास संस्थान, जिसमे ६३ छात्रों ने भाग लिया और ३ छात्रों को मिला गोल्ड मेडल

१. निकिता रॉय - नौवीं कक्षा २. प्रखर शर्मा- दसवीं कक्षा ३.आतिका रहमानी - कक्षा एक

द्वितीय - छात्र विकास समिति, जहां ५८ छात्रों ने भाग लिया है और ३ छात्रों को स्वर्ण पदक और एक छात्र को स्वर्ण पदक के साथ १००० नकद पुरस्कार मिला है। १. प्रखर शर्मा-१००० नकद + स्वर्ण पदक २. निकिता रॉय - नौवीं कक्षा, ३. अंतश जैन - पांचवी कक्षा , ४. रुद्रांश सिंह - सातवीं कक्षा

सुर्ख़ियों में

यूनेस्को के लक्ष्य में ज्ञानोदय हा.से.स्कूल खुरई की भागीदारी

संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन यूनेस्को को सतत विकास लक्ष्य ४ के माध्यम से वैश्विक शिक्षा एजेंडा २०३० का नेतृत्व सौंपा गया है। ये उद्देश्य टिकाऊ, सार्वभौमिक और महत्त्वाकांक्षी विकास को समर्पित हैं।लोगों का यह कार्यक्रम, लोगों द्वारा और लोगों के लिए यूनेस्को की सक्रिय भागीदारी के साथ परिकल्पित है। इस सतत विकास के क्रम में तीसरा उद्देश्य है– गुड हैल्थ एन्ड वेल बीइंग (अच्छा स्वास्थ्य और भलाई)।

इसका उद्देश्य स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करना और सभी उम्र के लोगों के कल्याण को बढ़ावा देना है। यूनेस्को के इस वैश्विक लक्ष्य को पूरा करने के उद्देश्य में भागीदारी करने के लिए ज्ञानोदय हायर सेकेंडरी स्कूल खुरई के द्वारा २२ जनवरी २०२३ को एक जागरूकता साइकिल रैली निकाली गई। इस साइकिल रैली में विद्यालय के लगभग २०० विद्यार्थी, विद्यालय के प्राचार्य डॉ अभिनव शुक्ल जी एवं विद्यालय के लगभग ४० शिक्षको ने भाग लिया। यह रैली प्रातः ७ बजे ज्ञानोदय हायर सेकेंडरी स्कूल से मंडी बामौरा तक निकाली गई। इस जागरूकता रैली को श्री अरुण जैन जी ने झंडा दिखाकर रवाना किया| इस अवसर पर विद्यालय के अन्य कर्मचारी स्वागत हेतु उपस्थित रहकर इस पुनीत कार्यक्रम के साक्षी बने। रैली को सफल एवं सुरक्षित बनाने के लिए हर संभव प्रयास किए गए।

जनवरी माह की गतिविधियाँ

जन्मोत्सव

ज्ञानोदय विद्यालय ने २१ जनवरी २०२३ को पूर्व प्राथमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों का जन्मदिन धूमधाम से मनाया| विद्यालय इस गतिविधि को हर महीने लगातार कर रहा है। यह खूबसूरत यादों को इकट्ठा करने और इसे उल्लेखनीय घटनाओं में बदलने के लिए हमारे कदमों में से एक है। इस खूबसूरत अवसर पर, समृद्ध भविष्य की शुभकामनाओं के साथ-साथ एक जन्मदिन कार्ड भी भेंट किया गया|

इस गतिविधि में सभी बच्चों ने भाग लिया। उन्होंने खूब मौज मस्ती की। इस गतिविधि में उन्होंने सीखा कि कैसे दूसरों की खुशी में खुश रहना है, और कैसे अपने दोस्तों को खुश करना है। दूसरे शब्दों में उन्होंने यह जान लिया है कि सुख का रहस्य दूसरों की प्रसन्नता है|

अन्य आयु वर्ग की तुलना में स्कूली छात्रों में जन्मदिन की यादों को संजोने का मन अधिक होता है। इसी तरह हम भी बच्चों को उनके जन्मदिन के शुभ अवसर पर विशेष महसूस कराने की कोशिश करते हैं।
इस गतिविधि की प्रभारी - श्रीमती शोभा भारद्वाज एवं कुमारी सोनू पटेल थीं

कराटे एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित कराटे बैल्ट परीक्षा सम्पन्न

ज्ञानोदय विद्यालय के ८७ छात्र / छात्राओं ने कराटे एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित कराटे बैल्ट परीक्षा दी| यह परीक्षा बुधवार ०९ जनवरी को आयोजित की गई थी। भारतीय कराते टीम के चीफ कोच, विश्वामित्र अवॉर्डी मध्यप्रदेश शासन शिहाँन जयदेव शर्माजी के नेतृत्व में परीक्षा संपन्न हुई। कराटे प्रशिक्षक संदीप अग्रवाल ने बताया कि ज्ञानोदय विद्यालय के छात्र-छात्राएं कराटे के विभिन्न बैल्ट के लिये कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

वार्षिक खेल गतिविधियाँ

अंतरसदनीय गोलाफेक प्रतियोगिता – १८ जनवरी २०२३ को आयोजित इस प्रतियोगिता में अपूर्वा जैन कक्षा ११ ब एवं हर्ष ठाकुर कक्षा ११ द प्रथम स्थान पर, लक्ष्मी परिहार कक्षा ९ स एवं सत्यम विश्वास कक्षा ११ द द्वितीय स्थान पर और हर्षिता राजपूत कक्षा ११ अ एवं विश्वजीत दाँगी कक्षा ११ द तृतीय स्थान पर रहे|

अंतरसदनीय तवाफेक प्रतियोगिता – इस प्रतियोगिता में रियांशी कक्षा ११ ब एवं पृथ्वी ठाकुर कक्षा ११ ब प्रथम स्थान पर रहे | एकांश जैन कक्षा ११ स एवं मोक्षदा गुरहा कक्षा ११ द द्वितीय एवं अपूर्वा जैन कक्षा ११ ब एवं आयुष सेन कक्षा ११ अ तृतीय स्थान पर रहे|

टेबल टेनिस प्रतियोगिता – ११ जनवरी २०२३ को आयोजित इस अंतरसदनीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर मिलिंद परीक कक्षा १२ स एवं एलिना खान कक्षा ६ स रहे तथा वैभव छलानी कक्षा १२ स एवं डिम्पल साहू कक्षा ६ स द्वितीय स्थान पर रहे | सभी प्रतिभागी टैगोर हाउस से थे|

बैडमिंटन प्रतियोगिता – यह प्रतियोगिता १२ जनवरी २०२३ को आयोजित की गयी थी | इस अंतरसदनीय प्रतियोगिता में बालिका जूनियर वर्ग में सरोजिनी सदन विजेता रहा एवं विवेकानंद सदन द्वितीय स्थान पर रहा| वहीं दूसरी ओर एकल प्रतियोगिता में सरोजनी सदन प्रथम स्थान पर तथा टैगोर सदन द्वितीय स्थान पर रहा | जूनियर बालक एकल वर्ग में टैगोर सदन प्रथम स्थान पर रहा और सरोजिनी सदन द्वितीय स्थान पर तथा डबल्स में टैगोर सदन विजेता रहा और सरोजिनी सदन द्वितीय स्थान पर रहा|

शतरंज प्रतियोगिता – ११ जनवरी २०२३ को आयोजित इस प्रतियोगिता में जूनियर बालिका वर्ग में अनामिका दाँगी कक्षा ८ द (टैगोर सदन) सीनियर बालिका वर्ग में रक्षा श्रीवास्तव कक्षा १० स (विवेकानंद सदन), सीनियर बालक वर्ग में आदर्श जैन कक्षा १२ अ (टैगोर सदन) एवं जूनियर बालक वर्ग में अंश जैन कक्षा ७ द (विवेकानंद सदन) प्रथम स्थान पर रहे|

बास्केट बाल प्रतियोगिता – १४ जनवरी २०२३ को खेली गयी बास्केटबाल प्रतियोगिता में सीनियर बालिका वर्ग में विवेकानन्द सदन, सीनियर बालक वर्ग में टैगोर सदन, जूनियर बालक वर्ग में सरोजिनी सदन एवं जूनियर बालिका वर्ग में टैगोर सदन विजेता रहा एवं क्रमशः सरोजिनी सदन, टैगोर सदन, टैगोर सदन एवं लक्ष्मी सदन उप विजेता रहे|

फुटबाल प्रतियोगिता – १४ जनवरी २०२३ को आयोजित इस प्रतियोगिता में जूनियर बालक वर्ग में सरोजिनी सदन, सीनियर बालक वर्ग में टैगोर सदन, जूनियर बालिका वर्ग में सरोजिनी सदन एवं सीनियर बालिका वर्ग में विवेकानंद सदन प्रथम स्थान पर रहे तथा क्रमशः विवेकानंद, सरोजिनी सदन, टैगोर सदन, लक्ष्मी सदन द्वितीय स्थान पर रहे|

लम्बी कूद – इस प्रतियोगिता में सीनियर बालक वर्ग में विवेकानंद सदन से ओम गौर 9 स प्रथम स्थान पर रहे| द्वितीय स्थान टैगोर सदन के नितिन राजपूत को मिला तथा तृतीय स्थान पर हर्ष वर्धन सिंह ठाकुर (विवेकानंद सदन) रहे| सीनियर बालिका वर्ग में विवेकानंद सदन से पलक घोषी प्रथम स्थान पर रहीं जबकि टैगोर सदन से लक्ष्मी परिहार द्वितीय स्थान पर रहीं तथा लक्ष्मी सदन से वैशाली घोषी तृतीय स्थान पर रहीं|

जूनियर बालक वर्ग में अंकित यादव लक्ष्मी सदन से प्रथम स्थान पर रहे जबकि देवराव ठाकुर विवेकानंद सदन से द्वितीय स्थान पर रहे|
जूनियर बालिका वर्ग में मुक्ति जैन (लक्ष्मी सदन) प्रथम स्थान पर रही| द्वितीय एवं तृतीय स्थान क्रमशः टैगोर सदन से अनामिका दांगी एवं स्नेहा लोधी को मिला|
इसके अतिरिक्त ज्ञानोदय विद्यालय के विद्यार्थियों ने पी.टी. एवं भाला फेक में शानदार प्रदर्शन किया|

खो-खो प्रतियोगिता – इस प्रतियोगिता में सीनियर बालक वर्ग में सरोजिनी सदन विजेता रहा और टैगोर सदन द्वितीय स्थान पर रहा | जबकि सीनियर बालिका वर्ग में विवेकानंद सदन विजेता रहा एवं लक्ष्मी सदन द्वितीय स्थान पर रहा | वहीं जूनियर वर्ग में बालक वर्ग में टैगोर सदन विजयी रहा जबकि लक्ष्मी सदन उप विजेता रहा | वहीं जूनियर बालिका वर्ग में सरोजिनी सदन विजयी रहा और विवेकानंद सदन द्वितीय स्थान पर रहा|

गणतंत्र दिवस समारोह एवं वार्षिक खेल दिवस 'एथलोस' का भव्य आयोजन

ATHLOS 2022-23

ज्ञानोदय हायर सेकेंडरी विद्यालय खुरई में अत्यंत हर्ष एवं उल्लास के साथ गणतंत्र दिवस के अवसर पर खेल दिवस एथलोस का भव्य आयोजन किया गया|

इस कार्यक्रम को दो सत्र में आयोजित किया गया था| कार्यक्रम का आरम्भ विद्यालय के प्राचार्य डॉ अभिनव शुक्ल जी के द्वारा झंडा फहराने के साथ हुआ | इसके पश्चात लगभग २५० विद्यार्थियों ने मार्च पास्ट निकालकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई|

एथलोस कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री प्रतीक जैन, विशिष्ट अतिथि श्री अर्पित जैन, विद्यालय के चेयरमैन श्रीमंत धर्मेंद्र सेठ जी एवं विद्यालय के प्राचार्य डॉ अभिनव शुक्ल जी ने दीप प्रज्ज्वलित कर शपथ दिलाई|

इस अवसर पर कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्री अर्पित जैन एवं विद्यालय के चेयरमैन श्रीमंत धर्मेंद्र सेठ जी ने उपस्थित रहकर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया | खेलों का आरंभ श्री प्रतीक जैन द्वारा गुब्बारे उड़ाकर किया गया जो अनंत ऊँचाइयों को स्पर्श करता हुआ इस भव्य कार्यक्रम का संदेश दे रहा था|

इस अवसर पर विभिन्न खेलों यथा दौड़, काता, स्केटिंग कबड्डी आदि के साथ ही विद्यार्थियों द्वारा योगा, नृत्य आदि की मनमोहक प्रस्तुति दी गईं| कार्यक्रम में अभिभावकों के लिए भी खेल रखे गए थे, जिसमे अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया | अंत में प्राचार्य जी के उद्बोधन एवं पुरस्कार वितरण के साथ ही कार्यक्रम का समापन हुआ|

नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति

ज्ञानोदय के विद्यार्थियों द्वारा गणतंत्र दिवस पर एक मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया गया| इस गतिविधि में नर्सरी से लेकर कक्षा आठ तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया| पूर्व प्राथमिक प्रतिभागियों ने ब्राजील गीत पर अपनी प्रस्तुति दी

एवं अन्य कक्षाओं के प्रतिभागियों ने 'मैं लड़ जाना' देशभक्ति से ओतप्रोत गीत पर अपनी शानदार प्रस्तुति दी विद्यार्थियों के जोशीले एवं अद्‌भुत प्रस्तुति ने समां बाँध दिया|

खेल दिवस पर प्रतियोगिताएँ -

१५०० मीटर दौड़ –इस प्रतियोगिता में कक्षा ६ से ११ के विद्यार्थियों ने भाग लिया | अमन जैन कक्षा ११ द शशांक जैन कक्षा ९ स एवं यशराज जैन कक्षा ११ ब ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया |

१०० मीटर दौड़ यह प्रतियोगिता कई वर्गों में आयोजित की गयी थी | प्रथम वर्ग में कक्षा ९ से ११ के विद्यार्थियों ने भाग लिया | बालिका वर्ग में रुचि दुबे कक्षा ९ ब, रितिका मसीह ९ ब एवं प्रिया व्यास ११ द ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया | जबकि बालक वर्ग में अमन जैन ११ द अगम जैन ११ स एवं ओम गौर ९ स ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया | द्वितीय वर्ग में कक्षा ६ से ८ के विद्यार्थियों ने भाग लिया | बालक वर्ग में वंश जैन कक्षा ८ द, शुभम लिटोरिया कक्षा ८ ब एवं अंकित यादव ने क्रमशः प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया जबकि बालिका वर्ग में दीपशिखा मार्को ने प्रथम, स्तुति सिंघई कक्षा ७ द ने द्वितीय एवं अनामिका दांगी कक्षा ८ द ने तृतीय स्थान प्राप्त किया| तृतीय वर्ग में कक्षा ३ से ५ के विद्यार्थियों ने भाग लिया | बालक वर्ग में सनी विश्वकर्मा कक्षा ५ ब ने प्रथम, अक्ष पस्तौर कक्षा ३ ने द्वितीय एवं प्रियांश यादव कक्षा ५ ब ने तृतीय स्थान प्राप्त किया| जबकि बालिका वर्ग में अहाना खान कक्षा 4 स, अवनी बहरोलिया कक्षा ३ एवं रिषिका दांगी कक्षा ५ ब ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया |

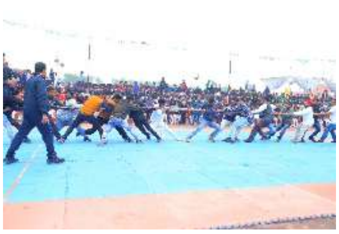

२०० मीटर रेस – यह प्रतियोगिता दो वर्गों में आयोजित की गयी | प्रथम वर्ग में कक्षा ९ से ११ के विद्यार्थियों ने भाग लिया | इसमें बालक वर्ग में यश जैन ११ स ने प्रथम, आगम जैन ११ स ने द्वितीय एवं औसफ खान ११ ब ने तृतीय स्थान प्राप्त किया | जबकि बालिका वर्ग में पलक घोषी ११ अ ने प्रथम, रुचि दुबे ९ ब ने द्वितीय एवं वैशाली घोषी ११ ब ने तृतीय स्थान प्राप्त किया| द्वितीय वर्ग में कक्षा 6 से ८ के विद्यार्थियों ने भाग लिया | इसमें बालक वर्ग में आदित्य घोषी कक्षा ८ स ने प्रथम, सर्वग्य पटेल कक्षा ८ ब ने द्वितीय और पियूष दुबे कक्षा ८ द ने तृतीय स्थान प्राप्त किया | जबकि बालिका वर्ग में पूर्वी पाण्डेय कक्षा ८ ब, दीपशिखा मार्को कक्षा ८ ब एवं अंशिका सिंघई ८ ब ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया|

तीन पैर दौड़ - इस दौड़ में कक्षा ३ से ५ के विद्यार्थियों ने भाग लिया| इस प्रतियोगिता में प्रियांश यादव कक्षा ५ स एवं विशिष्ट ओझा कक्षा ५ स ने प्रथम, गौरव ठाकुर कक्षा ५ ब एवं प्रांजल कक्षा ५ ब ने द्वितीय एवं आर्यन शर्मा कक्षा ३ ब और शौर्य सिंह रघुवंशी ४ अ ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया|

५० मीटर बोरा दौड़ - इस प्रतियोगिता में कक्षा ३ से ५ तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया | बालिका वर्ग में काव्या ताम्रकार कक्षा ४ स, रीत यादव कक्षा ५ ब एवं दीपाली सेन कक्षा ५ ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया| जबकि बालक वर्ग में गौरव ठाकुर कक्षा ५ ब, सचिन राजपूत कक्षा ५ ब और अभिषेक दांगी कक्षा ४ ब ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया |

१०० × ४ रिले दौड़ – यह प्रतियोगिता कक्षा ९ से ११ एवं कक्षा ६ से ८ के वर्ग में आयोजित की गयी|

प्रथम वर्ग में बालक वर्ग में अमन जैन कक्षा ११ द लक्ष्मण ठाकुर ११ द अर्ग जैन ११ स और औसफ खान ११ ब

(टैगोर सदन) विजेता रहे | जबकि बालिका वर्ग में अंजलि दांगी कक्षा ११ स, वैशाली घोषी ९ स, रितुल साहू ९ स, तनु यादव ९ अ (लक्ष्मी सदन) विजयी रहे | द्वितीय बालक वर्ग में वंश जैन ८ द, आर्य जैन ८ स, पियूष दुबे ८ द शुभम लिटौरिया ८ ब (टैगोर सदन) विजयी रहे |

५० × ४ रिले दौड़ - इस प्रतियोगिता में कक्षा ६ से ८ के विद्यार्थियों ने भाग लिया और स्नेहा लोधी कक्षा ८ अ, महिमा चढ़ार कक्षा ८ स, अंशिका सिंघई ७ ब अनामिका दांगी ८ द (टैगोर सदन) विजयी रहे|

६०० मीटर वाक् दौड़ – इस प्रतियोगिता में कक्षा ६ से ११ के विद्यार्थियों ने भाग लिया| प्रतियोगिता में रुद्रांश यादव ८ ब, शुभान्शु जैन कक्षा ११ स एवं हर्षवर्धन कक्षा ९ स क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे|

२०० × ४ रिले दौड़ – इस प्रतियोगिता में कक्षा ९ से ११ के विद्यार्थियों ने भाग लिया| बालिका वर्ग में लक्ष्मी परिहार ९ स, प्रिया व्यास ११ द रुचि दुबे ९ ब याशिका कुशवाहा (टैगोर सदन) विजयी रहे| जबकि बालक वर्ग में आगम जैन कक्षा ११ स, ओम गौर कक्षा ९ स, आयुष दुबे ९ अ एवं सुमित चौरसिया ११ स (विवेकानंद सदन) विजयी रहे|

पूर्व प्राथमिक कक्षाओं के लिए खेल प्रतियोगिताएँ

स्कूल चलो प्रतियोगिता - इस अंतरसदनीय प्रतियोगिता में नर्सरी कक्षाओं के विद्यार्थियों ने भाग लिया| इस प्रतियोगिता में बालक वर्ग में मितुल कुर्मी, कार्तिक कुर्मी एवं प्रशांत दांगी ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया जबकि बालिका वर्ग में नियति कुर्मी, कनिका कुशवाहा एवं हितान्शी जैन ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया|

बाधा दौड़ – इस अंतरसदनीय प्रतियोगिता में एल.के.जी. के विद्यार्थियों ने भाग लिया| इस प्रतियोगिता में श्रेयांश श्रीवास्तव (विवेकानंद सदन) ने प्रथम, विवान दांगी (सरोजिनी सदन) ने द्वितीय एवं प्रिंस दांगी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया|

खजाना खोज –इस प्रतियोगिता में एल.के.जी के विद्यार्थियों ने भाग लिया | इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान देविका विश्वकर्मा द्वितीय स्थान उर्मिला दांगी एवं तृतीय स्थान सौम्या तिवारी को मिला|

हुला हूप दौड़ - इस प्रतियोगिता में यू.के.जी के विद्यार्थियों ने भाग लिया इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान रूद्र सिंह ने प्राप्त किया एवं गुरज्योत सिंह एवं वरुण यादव को क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त हुआ|

ट्रेफिक सिंग्नल लाईट दौड़ – इस प्रतियोगिता में यू.के.जी के विद्यार्थियों ने भाग लिया इस प्रतियोगिता में माही विश्वास, तन्वी कुर्मी एवं शिवांगी तिवारी ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया|

धूल इकठ्ठी करो और दौड़ो – इस प्रतियोगिता में कक्षा 1 के विद्यार्थियों ने भाग लिया| नरेंद्र लोधी ने प्रथम, धवल जैन ने द्वितीय एवं पंकज कटारे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया|

मिश्रित दौड़ – इस प्रतियोगिता में कक्षा २ के विद्यार्थियों ने भाग लिया| बालक वर्ग में वीर प्रताप ने प्रथम लभ कुर्मी ने द्वितीय एवं गर्व सिंघई ने तृतीय स्थान प्राप्त किया| जबकि बालिका वर्ग में सिमर, आराध्या बघेल एवं मानवी जैन ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया|

साहित्यिकी

कान्हा

कान्हा सबके प्राण हो तुम
नंद बाबा की संतान हो तुम
हम सभी का अभिमान हो तुम
राधा के प्रिय श्याम हो तुम
तुमने है संसार बचाया
गोपियों को भी खूब नचाया
गोकुल की शान हो तुम
हम सबके प्राण हो तुम
तुम बंशी जो बजाते हो
उसकी ही धुन में खो जाते हो
मधुर संगीत बजाते हो
फिर सबका मन मोहकर
मनमोहन कहलाते हो
तुझ में कई अच्छाई हैं
गीता तुमने गाई है
अपनी लीला की खुशबू से
सम्पूर्ण दुनिया महकायी है|

- ऋषिका श्रीवास्तव १० स

हमारा संविधान

हम भारत के लोग संविधान की वर्षगांठ को गणतंत्र दिवस के रूप में बड़ी ख़ुशी से मनाते हैं| हमारे संविधान में कुल ४४८ अनुच्छेद और कई धाराएं हैं जो कि अलग-अलग तरह के अपराधों को रोकने के लिए संशोधित किए गए हैं| परन्तु संविधान के स्थापित होने के ७३ वर्ष बाद भी हमारा संविधान उतना कारगर साबित नहीं हो पाया, जितना होना चाहिए| देश में अभी भी अपराधों पर पूरी तरह अंकुश नहीं लग पाया है| लेकिन इसके लिए हम संविधान निर्माताओं को दोषी नहीं ठहरा सकते| दोषी वह हैं, जो इसे सही तरह से लागू नहीं करते| स्वार्थपरता के कारण लोकतंत्र के प्रमुख स्तम्भ चरमरा गए हैं| आइए हम संविधान का सम्मान करते हुए अपने अधिकारों की रक्षा करें और अपने कर्तव्यों का ठीक से निर्वहन करें|

-अरुजय जैन कक्षा ८ स

स्वामी विवेकानंद

स्वामी विवेकानंद

स्वामी विवेकानंद वेदांत के विख्यात और प्रभावशाली आध्यात्मिक गुरु थे। उनका वास्तविक नाम नरेंद्र नाथ दत्त था। इनका जन्म जनवरी १२ १८६३ को हुआ था| उन्होंने अमेरिका स्थित शिकागो में सन १८९३ में आयोजित विश्व धर्म महासभा में भारत की ओर से सनातन धर्म का प्रतिनिधित्व किया था। वह रामकृष्ण परमहंस के संयोग शिष्य थे। कोलकाता के एक कुलीन बंगाली कायस्थ परिवार में जन्मे विवेकानंद आध्यात्मिकता की ओर झुके हुए थे। राम कृष्ण की मृत्यु के बाद विवेकानंद ने बड़े पैमाने पर भारतीय उपमहाद्वीप की यात्रा की और ब्रिटिश भारत में तत्कालीन स्थितियों का प्रत्यक्ष ज्ञान प्राप्त किया। उनके जन्मदिन को राष्ट्रीय युवा दिवस के रुप में मनाया जाता है। विवेकानंद ने संयुक्त राज्य अमेरिका, इंग्लैंड और यूरोप में हिंदू दर्शन के सिद्धांतों का प्रचार किया और कई सार्वजनिक और निजी व्याख्यान का आयोजन किया। भारत में विवेकानंद को एक देशभक्त संन्यासी के रूप में माना जाता है।

जो भरा नहीं है भावों से,
बहती जिसमें रस धार नहीं
वह हृदय नहीं है पत्थर है
जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं।

-मुक्ति जैन कक्षा ७ 'अ'

भारत देश की एकता

हिन्दू, मुस्लिम, सिख ईसाई
चारों हैं ये भाई, भारत देश की शान हैं|
इन्हीं की एकता से भारत देश महान है|
भारत की हो जब बात, हम सब हो जाते एक साथ|
दुश्मन अपनी जब जिद पर अड़े
सैनिक सुरक्षा के लिए सामने खड़े
किसानों की मेहनत की वजह से
दो वक्त का खाना हम खाते हैं|
गंगा, यमुना, कृष्णा कावेरी से
निर्मल जल हम पाते हैं|
कौमी गीत हमारा गाना
दुश्मन को हराना हमने ठाना
जियेंगे शान से मरेंगे शान से
रखना हमको देश का मान है
भारत देश महान है|

कृतिका यादव कक्षा ६ ब

एहसास

सब लोग याद आएँगे
जब ज्ञानोदय छोड़ कर जाएँगे
केम्पस की ये चार दीवारें
जिसके अन्दर पले बड़े हैं
मस्ती की और मौज भी की
एक दूसरे से लड़े हैं
याद करें हम इस दिन को
जब हम विदा हो जाएँगे
सब लोग याद आयेंगे
जब ज्ञानोदय छोड़ कर जाएँगे
टीचर की वो डांट को सुनना
प्रिंसिपल की वो बात को सुनना
सुबह सुबह से स्कूल आते
गुड मोर्निंग गा के विश करना
जल्दी ही यहाँ से जाएँगे
सब लोग याद आएँगे
जब ज्ञानोदय छोड़ कर जाएँगे
दोस्तों की वो गपशप में
निकल गया बहुत सा दिन
छोड़ रहे इस विद्यालय को
ये आज के अंतिम दिन
दिन गए अब मस्ती के
अब हम न स्कूल आएँगे
सब लोग याद आएँगे
जब ज्ञानोदय छोड़ कर जाएँगे

-गौरव जैन कक्षा १२ स

यह हिंदुस्तान है

यह हिंदुस्तान है
एक अनोखा देश हमारा,
नाम हिंदुस्तान है।
२८ राज्यों का,
यह हिंदुस्तान है।
सुख हो या दुख,
सब कुछ सहते हम साथ हैं।
सोन चिरैया बोले उसको,
ये हिंदुस्तान है।
हिंदी भाषा से बना,
यह हिंदुस्तान है।
लाला लाजपत राय, गांधी आदि ने दी बलिदानी है।
तब आखिर में जाकर मिली इसे आज़ादी है।
गर्व से बोलो हम हिंदुस्तानी है,
खुशी खुशी देंगे इसे बलिदानी है,
हम हिंदुस्तानी है।

तनुष्का रिछारिया - सातवीं 'स'

बलिदान

बलिदान दिया जवानों ने
रहकर कारखानों में
गोली लगाकर सीने में
जीवन अपना त्याग दिया
माँ की ममता छोड़ जवानों ने
भारत माँ को सम्मान दिया
झंडे की वीरता के लिए
अपने देह को कुर्बान किया
दिन में रखकर झंडे को
कुछ तो वीरों का याद करो
इन कुर्बानी के लिए मान करो
उनके लिए सम्मान करो

पूनम कुर्मी कक्षा – सातवीं स

महात्मा गांधी

आज हम बात कर रहे हैं हमारे प्यारे बापू के बारे में जिनको हम सभी महात्मा गांधी के नाम से जानते हैं| महात्मा गांधी जी का पूरा नाम मोहनदास करम चंद गांधी था| महात्मा गांधी का जन्म २ अक्टूबर १८६९ को गुजरात के पोरबंदर में हुआ था| इनके पिता का नाम करम चंद गांधी एवं माता का नाम पुतली बाई था| गांधी जी की माँ अत्यंत धार्मिक थीं| वह नियमित रूप से उपवास करती थीं| मोहन दास का लालन पोषण वैष्णव मत में रमे परिवार में हुआ और उन पर जैन धर्म का गहरा प्रभाव पड़ा इसलिए वे अहिंसा, शाकाहार, आत्मशुद्धि के सिद्धांत पर चले| गाँधी जी सन १९१४ में इंग्लैण्ड से बैरिस्टर बनकर भारत वापस आए| देशवासियों ने उनका भव्य स्वागत किया और उन्हें महात्मा कहना शुरू कर दिया| फरवरी १९१९ में अंग्रेजों के बनाए रोलेट एक्ट कानून का उन्होंने विरोध किया और सत्याग्रह आंदोलन की घोषणा कर दी| इसके अतिरिक्त उन्होंने असहयोग आंदोलन, नागरिक अवज्ञा आंदोलन दांडी मार्च, भारत छोडो आन्दोलन आदि को सफलता पूर्वक चलाया| इन सभी प्रयासों के कारण अंग्रेज भारत छोड़ने पर मजबूर हुए| गाँधी जी को लोग ससम्मान राष्ट्रपिता के नाम से पुकारते हैं|

दिशी जैन कक्षा -६ स

शिक्षक कोना

गणतंत्र दिवस

देखो आज फिर से गणतंत्र दिवस आया है।
आते ही हमारे मन-मस्तिष्क पर छाया है ।
ये हमारे देश का है राष्ट्रीय त्यौहार,
इसलिए तो हम सब करते हैं इससे इतना प्यार ।
इस अवसर का हम सबको रहता है इंतजार,
क्योंकि इसी दिन मिला है हमें गणतंत्र का उपहार ।
आओ हम सब लोगों तक गणतंत्र दिवस का संदेश पहुँचाएँ,
लोगों को इस गणतंत्र दिवस का महत्त्व समझाएँ।
गणतंत्र द्वारा ही भारत में हुआ है नया सवेरा,
इसके पहले तक था देश में तानाशाही का घोर अंधेरा ।
क्योंकि बिना गणतंत्र देश में आ जाती है तानाशाही,
नहीं मिलता कोई अधिकार वादे होते हैं हवा-हवाई |
तो आओ अब हम साथ मिलकर मनाये गणतंत्र दिवस का राष्ट्रीय त्यौहार ।।
तो आओ अब हम साथ मिलकर मनाये गणतंत्र दिवस का राष्ट्रीय त्यौहार ।।

-श्रीमती मनप्रीत सलूजा
कनिष्ठ शिक्षिका

हिंदी

दुनिया भर
की भाषाओं में
वैज्ञानिक अति सरल सहज है
भाषाओं के मानसरोवर में हिंदी खिलता पंकज है!
उपनिवेश की उलझी भाषा
दुनिया भर में खूब जमी थी
पराधीनता के प्रतीक को शिष्ट मान दुनिया सहमी थी!
किंतु आज
सब भ्रम खंडित हैं
हिंदी नभ में गूँज रही है
हिंदी दुनिया में छाई है हिंदी को दुनिया पूज रही है!

महावीर
की गढी बनाई
दिनकर की हुंकार समेटी
लोक मनीषा के भावों की हिंदी सबसे प्रातिभ बेटी!

जग मग
जग मग कल हिंदी
का वर्तमान आनंद भरा है
हिंदी घुटने के बल चलते बच्चे की आधार धरा है!!

-**श्री सचिन तनेजा**

महान क्रांतिकारी पंडित बंशीधर

पंडित श्री बंशीधर जी जैन का जन्म बीना सागर जिले में हुआ यह एक महान क्रांतिकारी स्वतंत्र चिंतक और गंभीर विचारक थे इनके अनेक पत्र - पत्रिकाएं व मौलिक दार्शनिक सैद्धांतिक और सामाजिक लेख प्रकाशित हुए।
इन्होंने सन १९४२ में गांधी जी द्वारा चलाए गए भारत छोड़ो आंदोलन में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।
उस समय उन्होंने १८ महीनों की जेल यातनाएं सही।
एक अंग्रेज अफ़सर को सैल्यूट न करने पर उन्हें ६ महीने के लिए काल कोठरी में डाल दिया।
इनका समग्र जीवन चिंतन, लेखन, समाज राष्ट्रसेवा और स्वतंत्र व्यवसाय में संलग्न रहा। शिक्षा को उन्होंने कभी भी आर्थिक आधार नहीं बनाया।
इन्होंने समाज सेवा और राष्ट्रसेवा में भी अग्रणी भूमिका निभाई। साथ ही साथ इन्हें पूज्य गणेश प्रसाद वर्णी जी का भी साथ मिला।
पंडित बंसीधर जी हमारे क्षेत्र बुंदेलखंड के महान क्रांतिकारी थे।

-**श्रीमती अनुज्ञा जैन**
कनिष्ठ शिक्षिका

वो वक्त

वो वक्त था गुज़र गया, फिर ना लौटेगा
अपनों का साथ बड़ों का साया,
डांट बनकर, फिर न टोकेगा
वो हँसी वो ठहाके, मस्ती का वो मंज़र
फिर न लौटेगा
पर वो मुस्कान वो सफ़र
वो साथ में बिताए पल
यादों का समुन्दर बनकर
वक्त वक्त पर
कभी आँसू तो चेहरे पर मुस्कान बनकर
यूँ ही लौटेगा
वो रिश्तों का दामन, वक्त के गुजरने पर भी
न छूटेगा
हकीकत कुछ भी हो
यादों से वो पल कभी न छूटेगा
वो वक्त था गुज़र गया, फिर ना लौटेगा

-सुश्री वैशाली सोनी शिक्षिका

शीत युद्ध 2.0 और भारत की भूमिका
[समसामयिक निबंध]

चीन जल्द ही दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाला है। इसका विकास प्रौद्योगिकी, नवाचार और व्यापार पर आधारित है, जिसने अमेरिकी सैन्य श्रेष्ठता को संतुलित करने की मांग की है, और दोनों देशों के बीच रणनीतिक प्रतिद्वंद्विता को बढ़ावा दिया है।

अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते तनाव ने कई विशेषज्ञों को अमेरिका और सोवियत संघ के बीच शीत युद्ध के बराबर एक नए शीत युद्ध की चेतावनी देने के लिए प्रेरित किया है।

२०१७ में, अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति ने चीन को "एक संशोधनवादी शक्ति" के रूप में "अमेरिकी सुरक्षा और समृद्धि को नष्ट करने और अमेरिकी मूल्यों और हितों के लिए एक विरोधी दुनिया को आकार देने" की मांग की। साथ ही, चीन कई मोर्चों पर अमेरिकी आधिपत्य को कमजोर करने में सक्रिय रहा है।

COVID-19 महामारी ने दोनों देशों के बीच संबंधों के बिगड़ने को और बढ़ा दिया है। इस प्रकार, चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच यह नया शीत युद्ध 21वीं सदी का एक प्रमुख भू-राजनीतिक जोखिम है।

एक नए शीत युद्ध का संकेत देने वाली घटनाएँ

चीन अमेरिका के प्रभुत्व वाले अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक एवं विश्व व्यापार संगठन के लिए आई बी आर एल टी और सड़क पहल एवं एशिया इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक कंटीजेंसी रिज़र्व एग्रीमेंट (और न्यू डेवलपमेंट बैंक) जैसे संस्थानों के साथ वैकल्पिक शासन तंत्र के साथ सामने आया है।

चीन की बढ़ती मुखरता को रोकने के लिए, अमेरिका ने अपनी 'एशिया नीति की धुरी' के तहत एक क्वाड ग्रुप पहल, इंडो पैसिफिक कथा शुरू की है।

हाल ही में, अमेरिका ने चीन को शामिल किए बिना जी-७ को जी-११ तक विस्तारित करने का प्रस्ताव दिया।

दक्षिण चीन सागर में चीन द्वारा भूमि सुधार और फिर अतिरिक्त-क्षेत्रीय दावे के विस्तार के लिए कृत्रिम द्वीपों का निर्माण, अमेरिका की तीखी आलोचना देखी गई है।

चीन के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप के रूप में ताइवान के लिए अमेरिका का समर्थन।

चीन उत्तर कोरिया की भी मदद कर रहा है जो अमरीका के लिए भी खतरा पैदा कर रहा है।

संयुक्त राज्य अमेरिका से ताइवान को समर्थन भी कोई नया मुद्दा नहीं है।

व्यापार युद्ध से लेकर ५ जी दूरसंचार पर तनाव से लेकर मुद्रा युद्ध तक, अमेरिका-चीन का टकराव कई आर्थिक मोर्चों पर है।

पिछले शीत युद्ध के बीच कोई वैचारिक संघर्ष नहीं: अपितु अमेरिका और सोवियत संघ के बीच विरोधी विचारधाराओं के बीच की लड़ाई थी। पूंजीवाद बनाम साम्यवाद, जबकि अमेरिका और चीन के बीच ऐसा कोई वैचारिक संघर्ष नहीं है।

कोई छद्म संघर्ष नहीं: पिछला शीत युद्ध अमेरिका और सोवियत संघ के बीच छद्म संघर्षों से भरा था जैसे क्यूबा मिसाइल संकट 1962, सोवियत अफगान युद्ध 1979-89, आदि।

हालाँकि, अब तक अमेरिका और चीन के बीच कोई छद्म युद्ध नहीं हुआ है।

बहु-ध्रुवीय विश्व: आज, विश्व भी द्विध्रुवीय नहीं है। रूस, भारत और जापान जैसे देश हैं, जो स्विंग स्टेट्स के रूप में कार्य करते हैं, क्योंकि उनके पास अमेरिका या चीन के साथ गठबंधन करने या न करने का विकल्प है।

आर्थिक परस्पर निर्भरता: अमेरिका और सोवियत संघ के विपरीत, अमेरिका और चीन की अर्थव्यवस्थाएं वैश्वीकृत दुनिया में निवेश और बाजारों के माध्यम से घनिष्ठ रूप से जुड़ी हुई हैं।

भारत की भूमिका

भारत एक उभरती हुई वैश्विक शक्ति है और इसके महत्व का हवाला देते हुए अमेरिका और चीन दोनों ने भारत को अपने खेमे में आकर्षित करने की कोशिश की। अमेरिका में विदेश नीति विशेषज्ञों का तर्क है कि नए शीत युद्ध में भारत एक स्वाभाविक अमेरिकी सहयोगी है। दूसरी ओर भारत में चीनी राजदूत ने "मानवता के लिए एक साझा भविष्य" के साथ "एक साथ एक नया अध्याय" लिखने का सुझाव दिया है।

वसुधैव कुटुम्बकम के तहत भारत नए बहुपक्षवाद को बढ़ावा दे सकता है

भारत गुट निरपेक्ष नीति का कट्टर समर्थक है।

भारत को वैश्विक शक्तियों के साथ गहन कूटनीति करनी चाहिए ताकि शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और वैश्विक हित के संदर्भ में एशियाई शताब्दी को परिभाषित किया जा सके।

-श्री रूपेश मिश्रा शिक्षक

मेरा हिंदुस्तान

कण-कण पावन उज्ज्वल कण-कण मेरा यह देश महान है|
राम कृष्ण नानक की धरती मेरा हिंदुस्तान है|
सागर की लहरें उछल-उछल मन मे उमंग भरती हैं
गंगा यमुना की धवलधार मत रुको बढ़ो कहती है
हरे भरे पेड़ों पर सुमधुर पपीहा कोयल की तान है
कण-कण पावन, उज्ज्वल कण-कण, मेरा यह देश महान है|
राम कृष्ण नानक की धरती मेरा हिंदुस्तान है|
मंदिर मस्जिद गुरुद्वारों की शोभा अजब निराली है
शांति प्रेम संदेश समाहित मन प्रकाश भरने वाली है
जन मन तन सब हो पवित्र ऐसे सद्‌गुण की खान है
कण-कण पावन उज्ज्वल कण-कण मेरा यह देश महान है|
राम कृष्ण नानक की धरती मेरा हिंदुस्तान है|
गीता कुरान बाइबिल साहिब जी मानवता पाठ पढ़ाते हैं
विश्व ह्रदय के अंतरतम में ज्ञान की अलख जगाते हैं
मानुष जीवन उद्देश्य अर्थ, इन सबका यहाँ बखान है
कण-कण पावन उज्ज्वल कण-कण मेरा यह देश महान है|
राम कृष्ण नानक की धरती मेरा हिंदुस्तान है|
नारी को देवी कहे जहाँ, मानव देवता बन जाए
ऐसी पवित्र माटी को क्यों न देव सहज ही ललचाए
विश्व धरा अद्‌भुत है लेकिन, यह धरती की शान है
कण-कण पावन उज्ज्वल कण-कण मेरा यह देश महान है|
राम कृष्ण नानक की धरती मेरा हिंदुस्तान है|
भारत भूमि ये वीर प्रसूता राणा लक्ष्मी की जननी है
लौहपुरुष गांधी भगत आज़ाद की महिमा वरनी है
अंबेडकर जहाँ राह दिखाते करते मानव उत्थान है
कण-कण पावन उज्ज्वल कण-कण मेरा यह देश महान है|
राम कृष्ण नानक की धरती मेरा हिंदुस्तान है|
विश्व धर्म वसुधैव कुटुंबकम, जहाँ सत्य अहिंसा परम धर्म
मानव हित मानव जिए सिखाते ग्रंथ हमे करने सुकर्म
ऐसे भारत की माटी को मेरा अभिनंदन शत प्रनाम है
कण-कण पावन उज्ज्वल कण-कण मेरा यह देश महान है|
राम कृष्ण नानक की धरती मेरा हिंदुस्तान है|

-**डॉ कीर्तिवर्धन श्रीवास्तव 'हमराही'**

अन्य –

विचार विमर्श

विषय - 'हिंदी के बढ़ते चरण'
प्रिय विद्यार्थियों विचार विमर्श के इस स्तम्भ में आप दिए गए विषय पर अपने विचार प्रस्तुत कर सकते हैं। आप अपने विचार मंगल फॉन्ट, वर्ड फ़ाइल में २० मार्च तक भेज सकते हैं। आपके लेख को अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा।

प्रतियोगिता

कहानी पूरी करो प्रतियोगिता

प्रिय विद्यार्थियों इस स्तम्भ में आपको कहानी की प्रारंभिक पंक्तियाँ दी जा रही है | इसके बाद की कहानी आपको अपनी कल्पना शक्ति का उपयोग करके पूरी करनी है | कहानी ऐसी लिखें जो रोचक एवं उद्देश्य पूर्ण हो | कहानी का शीर्षक भी लिखें |

सुबह के चार बज चुके थे, लेकिन मुझे नींद नहीं आ रही थी| कल मेरी मौसी जी मेरे घर आ रही थीं और हम उनके साथ बहुत मस्ती करने वाले थे| ऐसा लग रहा था कि जल्दी सुबह हो परन्तु रात जैसे ठहर सी गई थी -------
----

कविता पूरी करो प्रतियोगिता

प्रिय विद्यार्थियों इस प्रतियोगिता में कविता की कुछ पंक्तियाँ दी गई है | इन्हें आगे बढ़ाते हुए अधूरी कविता पूरी करो और उसका शीर्षक भी लिखो |

होली आई होली आई
रंग गुलाल मिठाई लाई

चित्र बनाओ प्रतियोगिता

इस प्रतियोगिता के अंतर्गत दिए गए विषय पर एक चित्र बनाना है | सर्वश्रेष्ठ चित्र को आगामी अंक में स्थान दिया जाएगा|

विषय - होली के रंग

विनम्र निवेदन

ज्ञानोदय प्रभा का यह अंक ऑनलाइन प्रकाशित किया जा रहा है | हमारा प्रयास यही रहता है कि पत्रिका त्रुटि रहित हो इसके बाद भी यदि कोई भूल रह जाती है तो संपादक मंडल इसके लिए क्षमा प्रार्थी है |

<u>हिंदी समाचार</u>

[चित्र – नवभारत टाइम्स के सौजन्य से]

<u>विश्व हिंदी दिवस २०२३</u>: विश्व ने **१०** जनवरी **२०२३** को विश्व हिंदी दिवस मनाया | हर वर्ष **१०** जनवरी को विश्व में हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए जागरुकता फैलाने के उद्देश्य से इसे मनाया जाता है| इसके लिए निबंध प्रतियोगिताओं सहित कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं|
इस वर्ष की हिंदी दिवस की थीम है **-** 'हिंदी को जनमत की भाषा बनाना, बगैर उनकी मातृभाषा की महत्ता को भूले|'
वर्ष **१९७५** में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन का उद्घाटन किया था| इसके बाद से भारत समेत संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, मॉरीशस, त्रिनिदाद और टोबैगो जैसे विभिन्न देशों में विश्व हिंदी सम्मेलन का आयोजन किया गया| विश्व हिंदी दिवस पहली बार **१०** जनवरी, **२००६** को मनाया गया| इसके बाद से हर साल **१०** जनवरी को विश्व हिंदी दिवस मनाया जाने लगा|

<u>सूचना</u>

प्रिय विद्यार्थियों आप आगामी अंक के लिए अपनी स्वरचित, मौलिक कहानी, कविताएँ, लेख आदि प्रत्येक माह की १५ तारीख तक भेज सकते हैं | श्रेष्ठ रचनाओं को पत्रिका के आगामी अंक में प्रकाशित किया जायेगा |
पाठक अपनी रचनाएँ -
kirtiwardhanshrivastav@gmail.com पर भेजें |
अथवा 9179961170 पर वाट्सएप्प करें |

ज्ञानेन पुंसां सकलार्थ सिद्धि :

<u>संपादक – मंडल</u>

मुख्य संरक्षक – प्राचार्य,
ज्ञानोदय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, खुरई

मुख्य संपादक – डॉ. कीर्तिवर्धन श्रीवास्तव

सह संपादक - सुश्री आयुषी समैया

सहयोग - हिंदी विभाग

तकनीकी सहायता – श्री विशाल कटारे एवं तकनीकी विभाग
छायांकन - श्री प्रशांत सील एवं विद्यार्थी

www.facebook.com/gyanodayakhurai
gyanodayaprincipal@gmail.com
www.gyanodayakhurai.org
youtube.com/UC_7RhrC1nipjZTanSKoEVEA
gyanodayakhurai/9826829441
gyanodayacampuscare.in
Gyanodaya khurai
9826829441, 07581-292149,292154

अधिक जानकारी प्राप्त करने हेतु क्यू र को स्केन करें|

ज्ञानोदय सर्व मंगल विद्या मन्दिर, खुरई